नॉनस्टॉप UP

बदला है UP, जीतेगा UP

UP को नॉनस्टॉप बनाए रखने के लिए अभी स्कैन करें

www.NonstopUP.org

क्या है नॉनस्टॉप UP?

उत्तर प्रदेश केवल भारत का सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य ही नहीं, बल्कि सबसे अधिक आकांक्षाओं और असीम संभावनाओं का प्रदेश भी है। लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब ये आकांक्षाएँ भय, अव्यवस्था, पिछड़ेपन और सीमित अवसरों के बोझ तले दबी रहीं। **उत्तर प्रदेश की कहानी भी दो अध्यायों में बंटी है - 2017 से पहले का वह "फुलस्टॉप UP"** जहाँ संभावनाएँ चुनौतियों के बोझ तले दब गई थीं; और दूसरा **आज का "नॉनस्टॉप UP"**, जहाँ वही संभावनाएँ विकास, सुशासन और नवनिर्माण की नई पहचान बन चुकी हैं।

यह बदलाव किसी एक योजना, परियोजना या निर्णय का परिणाम नहीं है। यह करोड़ों प्रदेशवासियों के विश्वास, सहभागिता और **दमदार काम** की भावना से साकार हुई एक परिवर्तनकारी यात्रा है। इसी निरंतर परिवर्तन का नाम है **"नॉनस्टॉप UP"** - एक ऐसा जन-संकल्प, **जहाँ विकास रुकता नहीं, सुशासन थमता** नहीं और **प्रगति निरंतर आगे बढ़ती रहती है।**

नॉनस्टॉप UP केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि **निरंतर नवनिर्माण का संकल्प है।** यह ऐसा उत्तर प्रदेश है जहाँ बेटियों की सुरक्षा, युवाओं के अवसर, किसानों का सम्मान, गरीबों का सशक्तिकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत - सभी साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

"बदला है UP, अब जीतेगा UP" केवल एक नारा नहीं, बल्कि भविष्य का संकल्प है। यह विश्वास है कि **उत्तर प्रदेश की प्रगति की यह यात्रा अब नहीं रुकेगी;** सुरक्षित प्रदेश, काम दमदार, और नवनिर्माण के साथ उत्तर प्रदेश नई ऊँचाइयों की ओर नॉनस्टॉप बढ़ता रहेगा।

बदलता परिवेश, बढ़ता प्रदेश
यही है नॉनस्टॉप उत्तर प्रदेश

विषय सूची

नॉनस्टॉप विकास 07

नॉनस्टॉप सुरक्षा 11

नॉनस्टॉप युवा 15

नॉनस्टॉप जन कल्याण 19

नॉनस्टॉप महिला सशक्तिकरण 22

नॉनस्टॉप किसान कल्याण 27

नॉनस्टॉप सामाजिक स्वाभिमान 31

नॉनस्टॉप विरासत 34

नॉनस्टॉप UP

बदला है UP, जीतेगा UP

01

2 से बढ़कर
22 एक्सप्रेसवे
उत्तर प्रदेश के विकास को मिली नई रफ्तार

02

16 संचालित एयरपोर्ट और
5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों
के साथ -
देश में नंबर 1 उत्तर प्रदेश

03

2017 के बाद से
कोई सांप्रदायिक
दंगा नहीं -
सुरक्षित उत्तर प्रदेश, सशक्त उत्तर प्रदेश

04

माफिया मिट्टी में
डकैती में 89% एवं लूट में 85% की कमी

05

9 लाख से अधिक
युवाओं को पारदर्शी
सरकारी नौकरियां बिना पर्ची, बिना खर्ची

06

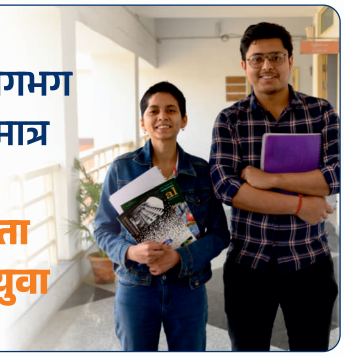

बेरोजगारी दर लगभग
18% से घटकर मात्र
2.21% -
आत्मनिर्भर बनता उत्तर प्रदेश का युवा

07

62 लाख+ परिवारों
को पक्के आवास
हर किसी के सिर पर सम्मान की छत

08

15 करोड़ से अधिक
लोगों को निशुल्क
राशन
कोई भूखा न रहे, यही संकल्प

नॉनस्टॉप UP
बदला है UP, जीतेगा UP

09

6 करोड़+ लोगों को
गरीबी से बाहर निकाला
अगला लक्ष्य -
कोई भी परिवार न
रहे पीछे

10

1 करोड़+
महिलाएं स्वयं सहायता
समूहों से जुड़ीं,
26.81 लाख बेटियों को
कन्या सुमंगला का संबल

11

1.86 करोड़+
उज्ज्वला गैस कनेक्शन
महिलाओं को मिली
धुएं से मुक्ति

12

3.12 करोड़+
किसानों के खातों में
₹99,000 करोड़
से अधिक की सीधी
सहायता

13

86 लाख किसानों की
ऋणमाफी और
₹3.12 लाख
करोड़ से अधिक का
रिकॉर्ड गन्ना भुगतान

14

9 प्रमुख फसलों
के उत्पादन में देश
का नंबर 1 -
कृषि में अग्रणी
उत्तर प्रदेश

15

भव्य श्रीराम मंदिर के
निर्माण ने
श्रद्धालुओं की
आस्था को दिया
गौरवपूर्ण सम्मान

16

403 विधानसभा क्षेत्रों में
₹403 करोड़ की
'डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति
विकास योजना' - **बाबा साहेब**
के सम्मान को दी नई पहचान

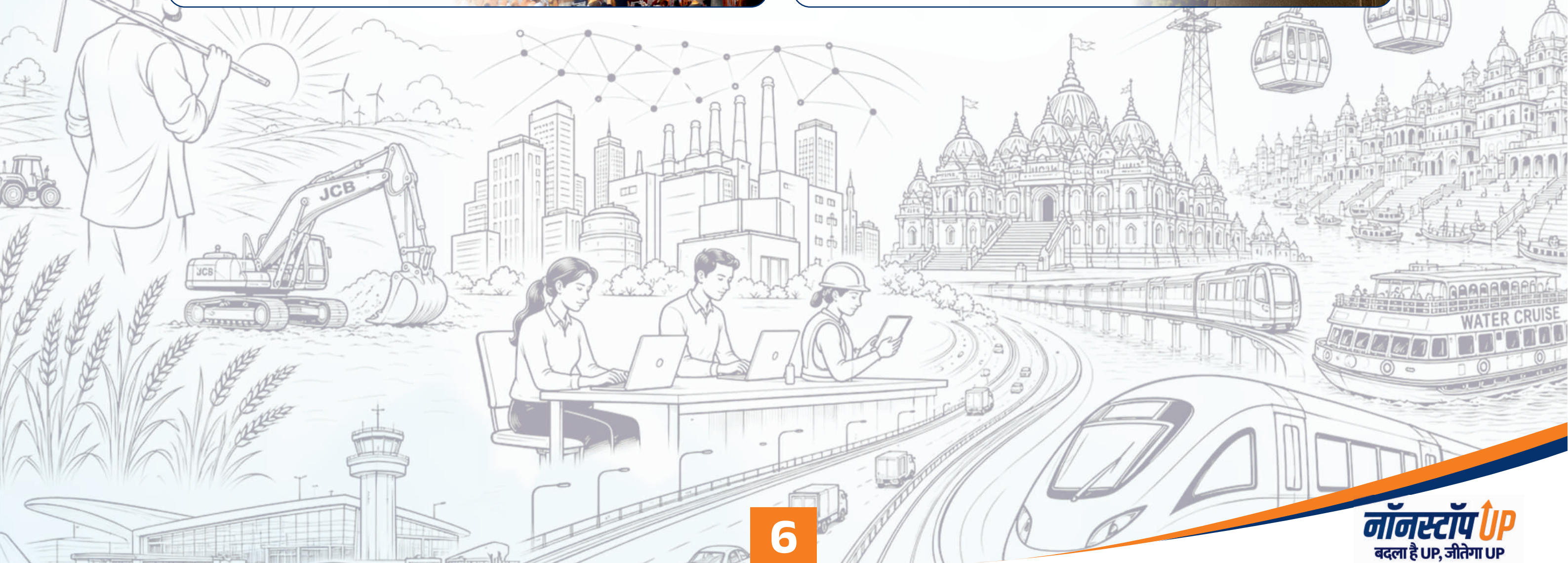

नॉनस्टॉप
विकास

2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान **टूटी-फूटी सड़कों** और **धीमी आर्थिक प्रगति** से थी। आज वही उत्तर प्रदेश **22 एक्सप्रेसवे, 16 एयरपोर्ट, देश के सबसे बड़े रेल नेटवर्क** और **आधुनिक फ्रेट कॉरिडोर** के साथ **तेज़ रफ्तार से नॉनस्टॉप बढ़ती अर्थव्यवस्था** बन चुका है।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ₹9.13 लाख करोड़ का बजट, जो पिछले वर्ष से **12.9% अधिक -** विकास को मिलेगी और गति

एयर कनेक्टिविटी का नया रिकॉर्ड

- 5 अंतरराष्ट्रीय और **16 कुल संचालित एयरपोर्ट के साथ UP देश में नंबर 1; 8 और एयरपोर्ट निर्माणाधीन**

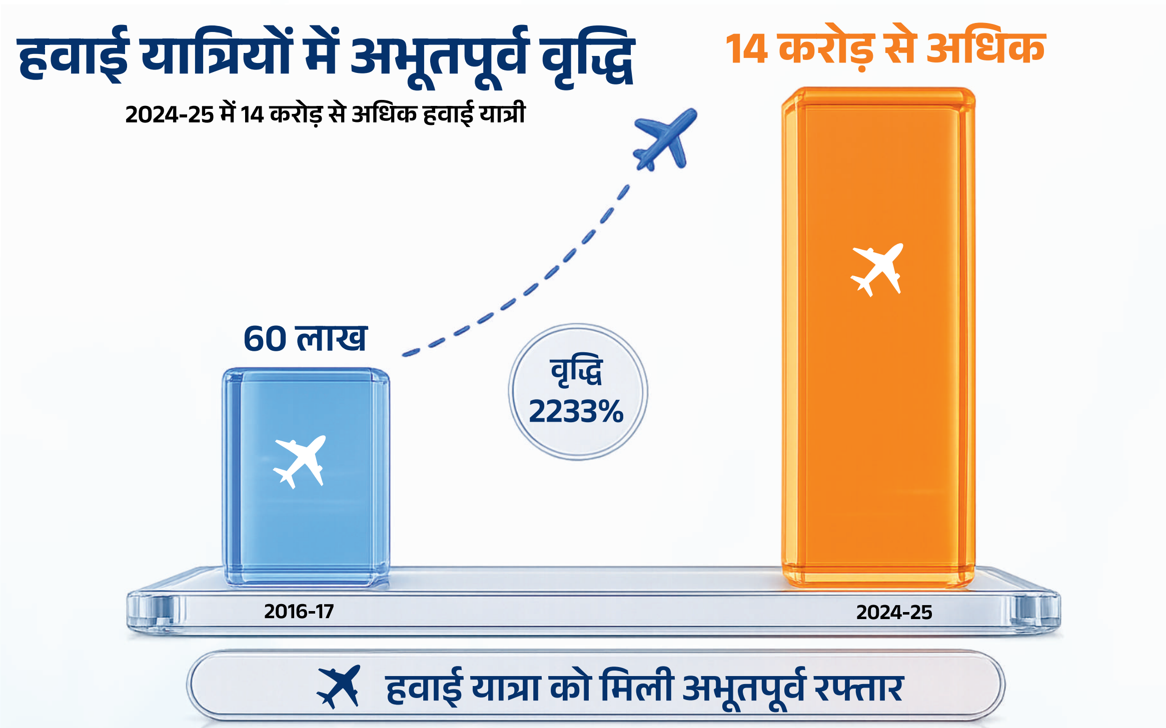

एक्सप्रेसवे कैपिटल

- **2 से 22 एक्सप्रेसवे** (7 संचालित, 5 निर्माणाधीन, 10 प्रस्तावित) - UP बना **एक्सप्रेसवे कैपिटल’**
- **देश के 55% एक्सप्रेसवे** अब **UP** में - आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी सुदृढ़

विकास का भरोसेमंद मार्ग

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 172 गांवों के 22,029 किसानों से भूमि लेकर ₹2,030 करोड़ का मुआवजा सीधे उनके खातों में भेजा गया। 500 किसानों को सम्मानित कर इस परियोजना को पारदर्शी और सहभागी विकास का उदाहरण बनाया गया।

- **चित्रकूट, लखनऊ, फर्रुखाबाद, जेवर-गंगा, झांसी, मेरठ, नोएडा और विन्ध्य लिंक एक्सप्रेसवे** प्रस्तावित - भविष्य के परिवहन नेटवर्क की मजबूत नींव
- **90 राष्ट्रीय राजमार्गों** के साथ **UP देश में दूसरे स्थान** पर पहुँचा - लॉजिस्टिक्स और परिवहन को मजबूती
- **35,433 किमी नए ग्रामीण मार्ग** - गाँव-गाँव तक पहुँची विकास की डगर
- **₹7,000 करोड़** की लागत से **लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर** - शहरी यातायात को मिली नई रफ्तार
- **294 बड़े सेतु, 141 रेल ओवरब्रिज, 16 फ्लाईओवर** तैयार; **116 नए बड़े सेतु** निर्माणाधीन - आवागमन हुआ पहले से अधिक सुगम
- **16,000 किमी रेल ट्रैक** के साथ UP बना **देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क**
- **7 शहरों में मेट्रो सेवा** - शहरी सफर को मिली नई रफ्तार
- **देश की पहली 'नमो भारत' रैपिड रेल** (दिल्ली-मेरठ) - हाई-स्पीड अर्बन मोबिलिटी की शुरुआत

उद्योगों को मिला विकास का इंजन

- **47 वर्षों बाद BIDA** के गठन से **56,662 एकड़** में नए नियोजित औद्योगिक शहर का मार्ग प्रशस्त - औद्योगिक विकास को मिला नया आयाम
- **देश का पहला मल्टी-मॉडल टर्मिनल व फ्रेट विलेज (वाराणसी) तथा रामनगर, चंदौली, मिर्जापुर और गाजीपुर** तक लॉजिस्टिक्स विस्तार - लॉजिस्टिक्स को मिली नई ताकत

व्यापार को नई रफ्तार

वाराणसी का मल्टी-मॉडल टर्मिनल सड़क, रेल और जलमार्ग को एक साथ जोड़कर व्यापार को तेज़ और किफायती बना रहा है। इसके साथ विकसित हो रहा फ्रेट विलेज हजारों रोजगार और आधुनिक लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दे रहा है।

- **मेगा लेदर (हरदोई-कानपुर), प्लास्टिक-गारमेंट (गोरखपुर), परफ्यूम (कन्नौज) तथा 5 केमिकल-फार्मा पार्क** - विशिष्ट विनिर्माण क्षेत्रों का उदय
- **IIT GNL (ग्रेटर नोएडा), मेगा फूड पार्क (बरेली) और ट्रांस गंगा सिटी (उन्नाव)** - रोजगार और औद्योगिक निवेश के नए हब
- **UP में बना डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर** - रक्षा विनिर्माण का उभरता केंद्र

उद्योग से नई पहचान

कानपुर में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत ₹200 करोड़ के निवेश से रक्षा उपकरण निर्माण इकाई स्थापित हुई। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला और क्षेत्र रक्षा विनिर्माण के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

- **ब्रह्मोस (लखनऊ)** और **भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (झांसी)** - रक्षा उत्पादन और रोजगार को मिला बढ़ावा
- **उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट** (यमुना एक्सप्रेसवे) - भविष्य की हाई-टेक अर्थव्यवस्था

जलमार्गों से विकास को नई धारा

- **11 राष्ट्रीय जलमार्ग** और **अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण** से UP बना प्रमुख लॉजिस्टिक्स गेटवे
- वाराणसी में **दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज़ सेवा** से पर्यटन को मिली वैश्विक पहचान

ऊर्जा में आत्मनिर्भर UP

- **रूफटॉप सोलर स्थापना में देश का नंबर-1 राज्य** - हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनता UP
- 43.79 लाख नए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर और **2.95 लाख मजरों का 100% विद्युतीकरण;** ऊर्जा वितरण तंत्र हुआ सशक्त

सड़कें बनीं विकास की राह, एयरपोर्ट दें सपनों को नई उड़ान।
एक्सप्रेसवे, फ्रेट कॉरिडोर और **औद्योगिक क्लस्टर** के दम पर उत्तर प्रदेश भारत की आर्थिक प्रगति का सबसे मजबूत इंजन बन चुका है।
यही है नॉनस्टॉप विकास – बदला है UP, अब जीतेगा UP।

नॉनस्टॉप सुरक्षा

2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान **माफिया राज, दंगों** और **अपराधियों के बढ़ते मनोबल** से जुड़ी थी। आज वही उत्तर प्रदेश **जीरो टॉलरेंस नीति, आधुनिक निगरानी तंत्र** और **सख्त कानून-व्यवस्था** के साथ **दंगामुक्त, माफियामुक्त** और **भयमुक्त शासन मॉडल** के रूप में नॉनस्टॉप आगे बढ़ रहा है।

अपराध मुक्त UP

- **2017 से अब तक एक भी सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष नहीं** - कानून-व्यवस्था को मिली नई पहचान
- **धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम** के तहत **475 केस दर्ज, 855 गिरफ्तार** तथा **379 मामलों में आरोप पत्र दायर** - अवैध धर्मांतरण पर लगा अंकुश
- **2016 की तुलना में डकैती में 89%, लूट में 85%, हत्या में 47%, दंगों में 70% और फिरौती हेतु अपहरण में 62% की कमी**

अपराध पर लगा मजबूत अंकुश

2016 की तुलना में 2034 में

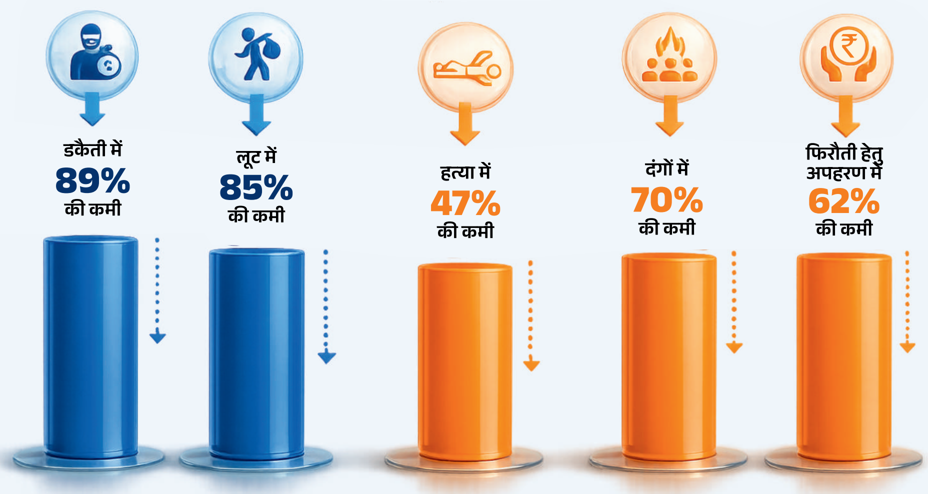

सुरक्षित प्रदेश, समृद्ध प्रदेश

नॉनस्टॉप UP
बदला है UP, जीतेगा UP

सुरक्षित माहौल, बढ़ता निवेश

DICCI के संस्थापक डॉ. मिलिंद कांबले के अनुसार मजबूत कानून-व्यवस्था ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है और उत्तर प्रदेश निवेश के लिए अधिक आकर्षक राज्य बनकर उभरा है।

- **मिशन शक्ति केंद्र** की स्थापना के बाद **बलात्कार में 33.92%, महिलाओं और बच्चों के अपहरण में 17.03%, दहेज हत्या में 12.96% और घरेलू हिंसा में 9.54% की कमी** - महिला सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रहा उत्तर प्रदेश

महिलाओं का बढ़ता विश्वास

प्रयागराज की अदिति राठौर का कहना है कि प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा में बड़ा बदलाव आया है। त्वरित कार्रवाई और सख्त कानून-व्यवस्था से महिलाएं पहले से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं।

- **महिला सुरक्षा के लिए हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वाड** तथा **3 महिला पीएसी बटालियन** का गठन
- **पेपर लीक मामलों में 228 मुकदमे** दर्ज और **769 अभियुक्त गिरफ्तार** - भर्ती परीक्षाओं में बढ़ा भरोसा
- **साइबर ठगों से ₹382 करोड़+** की राशि पीड़ितों को वापस कराई गई

माफिया राज पर निर्णायक प्रहार

- पुलिस कार्रवाई में **267 अपराधी ढेर, 10,990 घायल, 22,306 इनामी अपराधी जेल भेजे गए**
- **148 आतंकियों** सहित **186 रोहिंग्या, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी व अन्य अवैध विदेशी गिरफ्तार**
- **68 माफिया गिरोहों** के **1,459 अपराधियों की ₹14,580 करोड़+ अवैध संपत्ति जब्त** - साम्राज्य की कमर टूटी

जीरो टॉलरेंस का असर

प्रयागराज के सौरभ मिश्रा के अनुसार माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, मजबूत पुलिस बल और सख्त कार्रवाई ने अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है।

- **हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वाड** तथा **3 महिला पीएसी बटालियन** का गठन - महिलाओं को मिला सुरक्षित माहौल
- **पेपर लीक मामलों में 228 मुकदमे** दर्ज और **769 अभियुक्त गिरफ्तार** - भर्ती परीक्षाओं में बढ़ा भरोसा
- **साइबर ठगों से ₹382 करोड़+** की राशि पीड़ितों को वापस कराई गई - डिजिटल सुरक्षा को मिली नई मजबूती

त्वरित न्याय, सख्त सजा

- प्रभावी अदालती पैरवी से **35 माफिया और 94 सह-अपराधियों को उम्रकैद,** जबकि **2 कुख्यात अपराधियों को मृत्युदंड** - अपराधियों को मिली सख्त सजा
- **'ऑपरेशन कन्विक्शन'** के तहत **1,25,985 अभियुक्तों को दोषसिद्ध** कराया गया - न्याय प्रक्रिया को मिली नई गति

आधुनिक पुलिसिंग, सुरक्षित प्रदेश

- **134 नए थाने, 86 चौकियां, 78 महिला केंद्र, 73 साइबर थाने और 6 नारकोटिक्स थाने** स्थापित - सुरक्षा तंत्र हुआ और मजबूत
- **7 बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू** - कानून-व्यवस्था को मिला आधुनिक ढांचा
- **'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत 12,61,495 CCTV कैमरे** स्थापित - निगरानी व्यवस्था हुई और सशक्त
- **UP-112 पर 3.10 करोड़+ कॉल अटेंड** कर रिस्पांस टाइम **6 मिनट 41 सेकंड** तक घटाया गया

भरोसे की नई पहचान

उत्तर प्रदेश के एक छोटे कस्बे की सीमा बताती हैं कि पहले देर शाम घर लौटना परिवार की सबसे बड़ी चिंता होती थी। आज रास्ते में संदिग्ध गतिविधि दिखते ही वह यूपी-112 पर कॉल करती हैं, और कुछ ही मिनटों में पुलिस मौके पर पहुंच जाती है।

- **साइबर हेल्पलाइन पर 7,52,422 सूचनाओं** पर त्वरित कार्रवाई - साइबर अपराधों पर बढ़ा नियंत्रण
- **लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस** की स्थापना - वैज्ञानिक जांच को मिली नई ताकत
- **अग्निशमन सुरक्षा और नए फायर स्टेशनों के संचालन हेतु ₹190 करोड़** का प्रावधान - आपदा प्रबंधन को मिली नई मजबूती

जहां कानून का राज है, वहीं जनता का विश्वास है। अपराधियों के मन में कानून का भय और नागरिकों के मन में सुरक्षा का भरोसा। यही है नॉनस्टॉप सुरक्षा – बदला है UP, अब जीतेगा UP।

नॉनस्टॉप युवा

2017 से पहले उत्तर प्रदेश का युवा **अवसरों की तलाश में पलायन** को मजबूर था और **सरकारी भर्तियां वर्षों तक लंबित** रहती थीं। आज वही उत्तर प्रदेश **पारदर्शी भर्ती व्यवस्था, रिकॉर्ड निजी निवेश** और **कौशल विकास** के दम पर युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रहा है। यही है **नॉनस्टॉप युवा उत्थान।**

रोजगार के नए अवसर, युवाओं का बढ़ता विश्वास

- **9 वर्षों में 9 लाख+ युवाओं को सरकारी नौकरियां** मिलीं - निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती से युवाओं का भरोसा बढ़ा

मेहनत को मिला मुकाम

जौनपुर के अरविंद कुमार ने बताया कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के बाद मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके जीवन का सबसे गर्व का क्षण रहा।

सपनों की सरकारी नौकरी

अभिषेक कुमार को निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में सेवा का अवसर मिला, जिसे उन्होंने पारदर्शी व्यवस्था की बड़ी उपलब्धि बताया।

- **उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग** द्वारा **53,011 अभ्यर्थियों का चयन** - प्रशासनिक सेवाओं को मिली नई मजबूती
- **उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग** ने **47,377 अभ्यर्थियों का चयन** किया - योग्य युवाओं को मिला समान अवसर

निष्पक्ष चयन की मिसाल

हरदोई की अनामिका राजवंशी के अनुसार भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही, जहां बिना किसी भेदभाव के मेहनत करने वालों को उनका अधिकार मिला।

- **₹50 लाख करोड़+ निवेश प्रस्तावों** के माध्यम से **1.10 करोड़ रोजगार अवसरों** का मार्ग प्रशस्त
- **उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) कानून** लागू - नकल पर लगा प्रभावी अंकुश, मेहनती छात्रों को मिला न्याय
- **CMIE** के अनुसार **नवंबर 2025 में बेरोजगारी दर घटकर 2.21%** रही - प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिली नई मजबूती
- **समूह 'ख' (अराजपत्रित) एवं समूह 'ग' की सीधी भर्ती से साक्षात्कार समाप्त** - भर्ती प्रक्रिया हुई और पारदर्शी

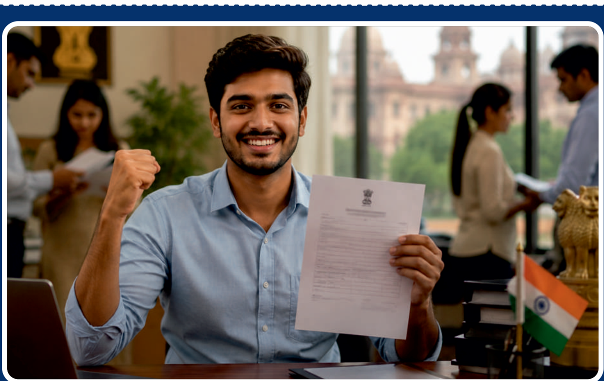

बिना सिफारिश सफलता

लखनऊ के नीरज पाल ने बताया कि बिना किसी पैरवी या घूस के केवल अपनी मेहनत के दम पर उन्हें सरकारी नौकरी मिली, जिसने पारदर्शी भर्ती व्यवस्था पर उनका विश्वास मजबूत किया।

- **उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग** का गठन - स्कूलों को समय पर योग्य शिक्षक मिलने का मार्ग प्रशस्त

कौशल एवं आत्मनिर्भर युवा

- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन** के तहत **9.25 लाख युवाओं को प्रशिक्षण** और **4.22 लाख को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार अवसर** - कौशल को मिला रोजगार अवसर का साथ
- **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना** के तहत **163 केंद्रों पर 23 हजार+ युवाओं को निःशुल्क कोचिंग** - प्रतिभाओं को मिली नई उड़ान
- **स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना** के तहत **49.86 लाख टैबलेट एवं स्मार्टफोन** वितरित
- **शिक्षामित्रों का मानदेय ₹18,000** एवं **अंशकालिक अनुदेशकों का ₹17,000 प्रतिमाह** किया गया

शिक्षा का बढ़ता दायरा

- **प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल गोरखपुर** में स्थापित - पूर्वांचल को मिली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नई सौगात
- **7 नए केंद्रीय विद्यालयों** के लिए भूमि उपलब्ध - बच्चों तक पहुँची गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- **71 नए राजकीय महाविद्यालय** स्थापित होने के बाद प्रदेश में **217 राजकीय महाविद्यालय** संचालित - उच्च शिक्षा हुई और सुलभ
- **उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019** एवं **नियमावली -** अब **2021** के तहत **52 निजी विश्वविद्यालय** स्थापित - उच्च शिक्षा का विस्तार
- **महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर** - प्रदेश का पहला एवं देश के सबसे बड़े आयुष विश्वविद्यालयों में शामिल
- **वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी** एवं **मोनाश यूनिवर्सिटी** के साथ **एमओयू** - विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त

खेलों में बढ़ता उत्तर प्रदेश

- **मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय** की स्थापना - खिलाड़ियों के विश्वस्तरीय प्रशिक्षण का मार्ग प्रशस्त
- **उत्तर प्रदेश राज्य खेल नीति-2023** लागू - खेल प्रतिभाओं और खेल अवसंरचना को मिली नई ताकत
- **मेजर ध्यानचंद डिजिटल हॉकी संग्रहालय** का उद्घाटन - भारतीय हॉकी की विरासत को मिली सम्मान

सपनों को उड़ान, प्रतिभा को सम्मान — हर युवा बन रहा है **उत्तर प्रदेश की नई पहचान। यही है नॉनस्टॉप युवा – बदला है UP, अब जीतेगा UP।**

नॉनस्टॉप UP
बदला है UP, जीतेगा UP

नॉनस्टॉप जनकल्याण

2017 से पहले **गरीब, किसान** और **समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति** तक सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से नहीं पहुंच पाता था। आज उत्तर प्रदेश ने **जनकल्याण को शासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता** बनाकर **अंत्योदय की भावना** को धरातल पर उतारा है। **यही है नॉनस्टॉप जनकल्याण।**

सबका साथ, सबका विकास

- **9 वर्षों में 6 करोड़+ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर** लाया गया
- **62 लाख+ गरीब परिवारों** को **पक्के आवास** उपलब्ध कराए गए - हर परिवार के घर का सपना हुआ साकार

किराए से अपने घर

फिरोजाबाद की शशि वर्षों तक किराए के मकान में रहीं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन के बाद उन्हें अपना पक्का घर मिला और जीवन में स्थिरता आई।

- **3.31 करोड़+ शौचालयों** के निर्माण से प्रदेश **100% ODF (Open Defecation Free)** बना तथा **94 हजार+ गांव ODF Plus** बने
- **15 करोड़+ लाभार्थियों को निःशुल्क राशन** उपलब्ध कराया गया - खाद्य सुरक्षा हुई सुनिश्चित

राशन से राहत

गोरखपुर की सरोज बताती हैं कि नियमित निःशुल्क राशन मिलने से परिवार का खर्च कम हुआ और उन्हें आर्थिक राहत के साथ सुरक्षा का एहसास हुआ।

- **49.22 लाख परिवारों** को **आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना** का लाभ तथा इसके लिए **₹500 करोड़** का प्रावधान - स्वास्थ्य सुरक्षा को मिला सशक्त आधार

सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार

- **9 वर्षों में वृद्ध, निराश्रित महिला एवं दिव्यांग पेंशन में 5 गुना वृद्धि** - से मिली सामाजिक सुरक्षा
- **67.50 लाख वृद्धजन, 26.81 लाख निराश्रित महिलाएं और 11.57 लाख दिव्यांगजन** नियमित पेंशन प्राप्त कर रहे - हर जरूरतमंद को मिला आर्थिक संबल
- **12,807 कुष्ठ रोग प्रभावित लाभार्थियों** की पेंशन **₹2,500 से बढ़ाकर ₹3,000 प्रतिमाह**
- **पेंशन एवं कल्याण योजनाओं** के लिए **₹12,560 करोड़+** का प्रावधान
- **अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं** हेतु **₹2,058 करोड़** का प्रावधान - समावेशी विकास को मिली नई गति

सशक्त गांव, सशक्त श्रमिक

- **मनरेगा हेतु ₹5,544 करोड़** तथा **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन हेतु ₹4,580 करोड़** का प्रावधान - ग्रामीण रोजगार को मिला बल
- **ग्रामीण विकास योजनाओं** के लिए **लगभग ₹25,500 करोड़** का प्रावधान - गांवों के विकास को मिली नई रफ्तार
- **ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 8.41 करोड़ श्रमिकों को फैमिली आईडी** उपलब्ध कराने की पहल - सरकारी योजनाओं तक पहुंच हुई आसान
- **असंगठित श्रमिकों** को **आंशिक दिव्यांगता पर ₹1 लाख** तथा **मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता पर ₹2 लाख** की अनुग्रह सहायता - श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा हुई मजबूत
- **अल्पसंख्यक समुदाय के समावेशी विकास** हेतु **₹2,058 करोड़** का प्रावधान - समावेशी समाज को मिला सशक्त आधार

न कोई वंचित है, न कोई पीछे है। घर-घर खुशहाली और **जन-जन की भागीदारी** ही है **नॉनस्टॉप जनकल्याण** की पहचान। **बदला है UP, अब जीतेगा UP।**

नॉनस्टॉप महिला सशक्तिकरण

2017 से पहले का उत्तर प्रदेश **महिलाओं के संघर्ष की कहानी** था। आज वही उत्तर प्रदेश **महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान** और नेतृत्व की नई गाथा बनकर उभरा है। **यही है नॉनस्टॉप महिला सशक्तिकरण,** जहां **सुरक्षा भी नॉनस्टॉप है और सशक्तिकरण भी।**

नारी शक्ति बनी विकास की भागीदार

- **नारी शक्ति वंदन अधिनियम** के माध्यम से **33% आरक्षण** का ऐतिहासिक निर्णय - महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मिली नई ताकत
- **तीन तलाक पर कानूनी रोक** - मुस्लिम महिलाओं को मिला न्याय और समान अधिकार
- **प्रधानमंत्री घरौनी योजना** के तहत **1 करोड़ महिलाओं** को घर का कानूनी अधिकार - संपत्ति में महिलाओं को मिला सम्मान
- **पीएम स्वनिधि योजना** से **2 लाख+ महिलाओं** को स्वरोजगार - आत्मनिर्भरता को मिली नई उड़ान

रोजगार की नई राह

फर्रूखाबाद की चारू सिंह का मानना है कि महिला जॉब प्लेसमेंट केंद्र रोजगार खोजने की प्रक्रिया को आसान बनाएंगे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का बेहतर अवसर देंगे।

- **1 करोड़+ महिलाओं** को **स्वयं सहायता समूहों** से जोड़ा गया - महिला उद्यमिता को मिली नई मजबूती

SHG से आत्मनिर्भरता

लखनऊ की राधा देवी ने स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू किया। आज उनकी आय बढ़ी है और परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है।

- **35 लाख लखपति दीदी** बनाने के लक्ष्य की ओर **18.55 लाख महिलाएं** लखपति श्रेणी तक पहुँचीं - आर्थिक सशक्तिकरण को मिली नई गति

नारी सुरक्षा, सम्मान और विश्वास

- **वन स्टॉप सेंटर** के माध्यम से **2.39 लाख महिलाओं** को सहायता - हर संकट की घड़ी में मिला सहारा
- **1,100 पिंक शौचालयों** का निर्माण - महिलाओं को मिली सुरक्षित सार्वजनिक सुविधाएं
- **14,559 महिलाओं एवं बालिकाओं** को **₹511.20 करोड़** की क्षतिपूर्ति - पीड़ितों को मिला त्वरित आर्थिक संबल
- **181 महिला हेल्पलाइन से 8.42 लाख महिलाओं** को सहायता - हर संकट में मिला तत्काल सहयोग
- **16 शहरों में श्रमजीवी हॉस्टल** स्थापित - कार्यशील महिलाओं को मिला सुरक्षित आवास
- **मिशन शक्ति** के अंतर्गत **नए शक्ति सदनों** का निर्माण - सुरक्षित आश्रय व्यवस्था हुई और मजबूत
- **हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वाड** का गठन - बेटियों को मिला सुरक्षित वातावरण
- **3 महिला PAC बटालियन** का गठन - महिला सुरक्षा को मिली नई मजबूती
- **मिशन शक्ति 5.0** सहित विभिन्न सुरक्षा अभियान - महिला एवं बाल सुरक्षा को मिला व्यापक संरक्षण
- **महिला एवं बाल अपराधों के निस्तारण में 98.90% उपलब्धि - UP देश में प्रथम** रहा

अपराधियों को सजा

सोनभद्र की सीमा कुशवाहा के अनुसार महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के मामले में उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में मजबूत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

स्कूटी से आसान सफर

बिजनौर की श्रुति अग्रवाल का कहना है कि छात्राओं को स्कूटी मिलने से शिक्षा, कोचिंग और नौकरी तक पहुंच आसान होगी तथा उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

- **2016 की तुलना में दहेज हत्या में 19% और दुष्कर्म की घटनाओं में 53% कमी** - महिलाओं की सुरक्षा हुई और सशक्त

महिलाओं की सुरक्षा हुई और सशक्त

2016 की तुलना में

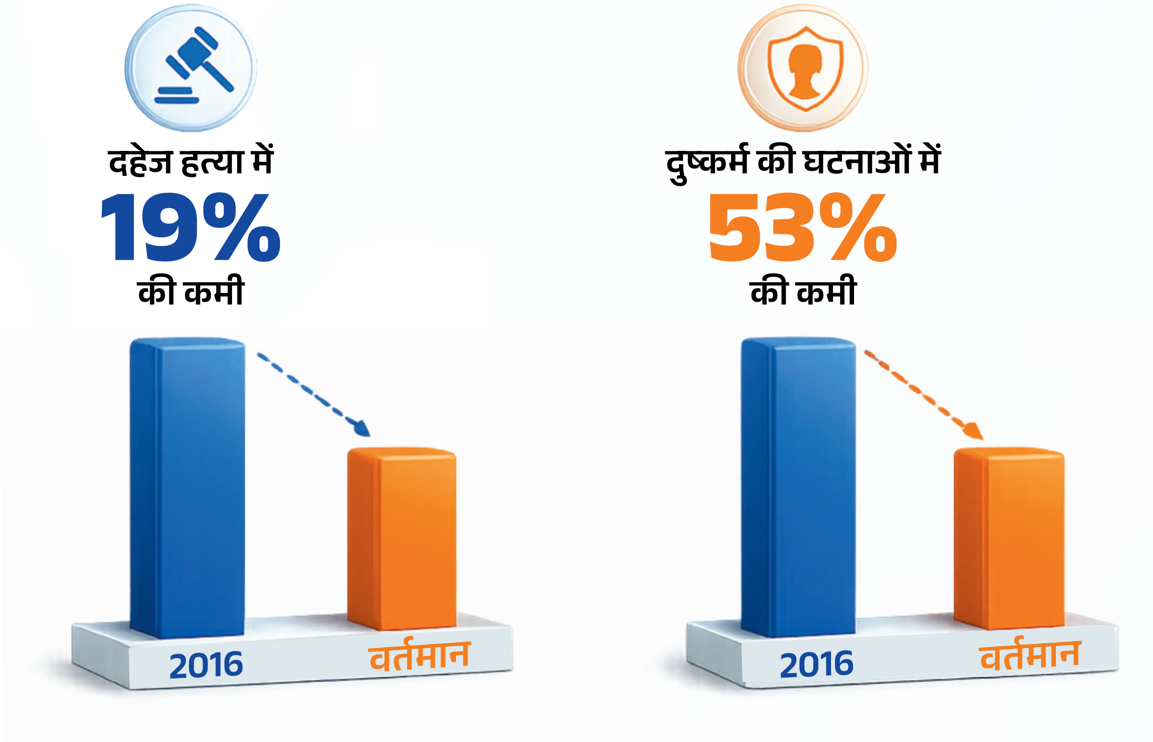

सुरक्षित नारी, सशक्त प्रदेश

- **मिशन शक्ति केंद्रों** के प्रभावी क्रियान्वयन से **बलात्कार, अपहरण, दहेज हत्या एवं छेड़छाड़ की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी** - सुरक्षा को मिला मजबूत आधार

स्वस्थ नारी, समृद्ध परिवार

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से 60 लाख माताओं** को लाभ - मातृत्व को मिला सशक्त संरक्षण
- **1.86 करोड़ मुफ्त LPG कनेक्शन** - महिलाओं को मिला धुएँ से मुक्ति का सम्मान

धुएँ से मिली मुक्ति

बस्ती की निर्मला देवी बताती हैं कि उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनका रसोईघर धुएँ से मुक्त हो गया और समय के साथ स्वास्थ्य में भी सुधार आया।

आसान हुई रसोई

आगरा की राधा कुमारी के अनुसार उज्ज्वला योजना से मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने के बाद लकड़ी के चूल्हे की परेशानी खत्म हुई और खाना बनाना आसान हो गया।

- **1.90 लाख+ आंगनबाड़ी केंद्र** संचालित - मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मिली नई मजबूती
- **जननी सुरक्षा योजना** के तहत आर्थिक सहायता - सुरक्षित मातृत्व को मिला सशक्त आधार
- **बालिकाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कार्यक्रम** शुरू
- **महिला एवं बाल विकास योजनाओं** हेतु **₹18,620 करोड़** का प्रावधान - महिला सशक्तिकरण को मिला मजबूत आधार
- **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना** से **26.81 लाख बेटियों** को लाभ - बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को मिला संबल

पढ़ाई नहीं रुकी

लखनऊ की प्रिया को कन्या सुमंगला योजना से सहायता मिली, जिससे उनकी पढ़ाई जारी रह सकी और पढ़ाई बीच में छूटने से बच गई।

नॉनस्टॉप UP
बदला है UP, जीतेगा UP

- **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना** के तहत **5.20 लाख+ बेटियों** के विवाह में आर्थिक सहयोग
- **उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन** से **1.06 करोड़ महिलाओं** को आजीविका से जोड़ा गया

हुनर से आत्मनिर्भरता

प्रतापगढ़ की पूनम का मानना है कि स्किल डेवलपमेंट केंद्र और बजट में महिलाओं पर विशेष ध्यान उन्हें रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई दिशा देगा।

- **औद्योगिक क्षेत्र में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में कार्य की अनुमति** - रोजगार के अवसरों को मिला नया विस्तार

जहां **हर बेटी निर्भय है, हर बहन आत्मनिर्भर है** और **हर मां सम्मान के साथ सशक्त है,** वही **नॉनस्टॉप यूपी** है। **यही है नॉनस्टॉप महिला सशक्तिकरण – बदला है UP, अब जीतेगा UP।**

नॉनस्टॉप किसान कल्याण

2017 से पहले का उत्तर प्रदेश **खेती में पिछड़ेपन, सिंचाई संकट** और **कर्ज के जाल** में फंसे किसानों की मजबूरी की कहानी था। आज वही उत्तर प्रदेश **किसानों के सम्मान, समृद्धि** और **तकनीकी नवाचार** की नई गाथा बनकर उभरा है। **यही है नॉनस्टॉप किसान कल्याण।**

समृद्ध किसान, सशक्त कृषि

- **कृषि क्षेत्र के लिए ₹1,40,529 करोड़ (केंद्र)** एवं **₹30,938 करोड़ (उत्तर प्रदेश)** का बजट आवंटित - कृषि विकास को मिली नई गति
- **86 लाख+ लघु एवं सीमांत किसानों** का कृषि ऋण माफ - किसानों को मिला कर्ज से राहत

कर्ज से आज़ादी

लखीमपुर खीरी के रामचंद्र वर्मा का कृषि ऋण माफ होने के बाद वे फिर बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े। अब वे सम्मान के साथ खेती कर रहे हैं और साहूकारों पर निर्भर नहीं हैं।

- **3.12 करोड़ किसानों** को **PM किसान सम्मान निधि** के तहत **₹99 हजार करोड़+** सीधे खातों में हस्तांतरित - किसानों की आय में वृद्धि

सम्मान निधि का सहारा

अयोध्या के किसान राम तीरथ अब पीएम किसान सम्मान निधि से समय पर बीज और खाद खरीद पाते हैं। इससे कर्ज लेने की जरूरत कम हुई।

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** के तहत **353.14 लाख बीमित किसानों** को **₹5,660 करोड़+** की क्षतिपूर्ति
- **₹13.43 लाख करोड़ का फसली ऋण** तथा **492.46 लाख किसान क्रेडिट कार्ड** जारी - किसानों को मिली आसान वित्तीय सुविधा

आधुनिक कृषि, मजबूत आधार

- **1,309 सिंचाई परियोजनाएं** पूर्ण कर **52.13 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता** विकसित - सिंचाई को मिला नया विस्तार
- **1,950 बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं** पूर्ण - खेतों को मिली सुरक्षित संरक्षण व्यवस्था
- **169.51 लाख फार्मर आईडी** तैयार - कृषि को मिली डिजिटल पहचान
- **PM-कुसुम योजना** के तहत **86,128 सोलर पंप** स्थापित - खेती को मिली सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
- **एफपीओ एवं कृषि स्नातकों** को ड्रोन अपनाने पर **40-50% अनुदान** - आधुनिक खेती को मिली नई उड़ान
- **₹251 करोड़** की लागत से **चौधरी चरण सिंह सीड पार्क (लखनऊ)** स्थापित - उन्नत बीज उत्पादन में नई पहल
- **कौशाम्बी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स** एवं **चंदौली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल्स** स्थापित
- **पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना** लागू - अनुपयोगी भूमि को मिली खेती की नई पहचान

कृषि नवाचार की नई पहचान

- **एग्रीजंक्शन योजना** के तहत **6,655 वन स्टॉप शॉप** स्थापित - ग्रामीण युवाओं को मिली कृषि उद्यमिता की राह
- **विश्व बैंक सहयोग से ₹4,000 करोड़ की UP AGRIS परियोजना, 10 लाख किसानों** को लाभ - पूर्वांचल और बुंदेलखंड की खेती को मिली गति

- **नमो ड्रोन दीदी योजना** के तहत **महिला स्वयं सहायता समूहों** को ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण
- **गन्ना, चीनी, खाद्यान्न, दुग्ध, आलू, आम, मटर, मेंथा, फल, सब्जियां और शहद उत्पादन में UP देश में प्रथम** - कृषि उत्पादन को मिली राष्ट्रीय पहचान
- **तिलहन एवं खाद्यान्न उत्पादन** के लिए **राष्ट्रीय कृषि कर्मण पुरस्कार** - उत्कृष्ट कृषि प्रदर्शन को मिला राष्ट्रीय सम्मान
- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए - **नंद बाबा दुग्ध मिशन** एवं **उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं उत्पाद प्रोत्साहन नीति** लागू

समृद्ध गन्ना किसान, सशक्त चीनी उद्योग

- **120 चीनी मिलें** संचालित, गन्ना पेराई क्षमता 7.50 लाख टन प्रतिदिन से बढ़कर **8.48 लाख टन प्रतिदिन**
- **4 नई चीनी मिलें, 6 बंद मिलों का पुनः संचालन** और **44 मिलों का क्षमता विस्तार - 10 लाख+ लोगों** को मिला प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार
- **एथेनॉल उत्पादन 42 करोड़ लीटर से बढ़कर 187.80 करोड़ लीटर - UP देश में प्रथम** और किसानों की आय को मिला नया सहारा
- **देश के 57.26% गन्ना उत्पादन** में UP का योगदान - देश की चीनी एवं खाद्य सुरक्षा को मिला मजबूत आधार
- **अप्रैल 2017 से फरवरी 2025 तक ₹3.13 लाख करोड़+** का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान - किसानों को मिला समयबद्ध भुगतान
- **2017 के बाद गन्ने के MSP में 4 बार वृद्धि तथा पेराई सत्र 2025-26 के लिए ₹30 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी** - गन्ना किसानों की आय को मिली नई मजबूती

गन्ना किसानों की आय को मिली नई मजबूती

2017 के बाद गन्ने के MSP में 4 बार वृद्धि

उचित मूल्य, मजबूत किसान, समृद्ध उत्तर प्रदेश

अब फसलों को मिलता है सही दाम, लागत में मिलती है भारी राहत और बढ़ता है अन्नदाता का मान-सम्मान। यही है नॉनस्टॉप किसान कल्याण – बदला है UP, अब जीतेगा UP।

नॉनस्टॉप सामाजिक स्वाभिमान

2017 से पहले उत्तर प्रदेश में तुष्टिकरण, भेदभाव और वंचित वर्गों की उपेक्षा आम बात थी। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ समान रूप से नहीं पहुंच पाता था। 2017 के बाद **'सबका साथ, सबका विकास'** की सोच को **अंत्योदय** के संकल्प से जोड़ते हुए सरकार ने **अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति** को विकास की मुख्यधारा में लाने का निरंतर अभियान चलाया। **जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम** से लेकर **व्यापक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं** तक, हर पहल सामाजिक न्याय, सम्मान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती दे रही है। यही है **नॉनस्टॉप सामाजिक स्वाभिमान।**

गरीबी पर प्रहार, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार

- **जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम** के तहत **13.57 लाख निर्धन परिवारों** को चिन्हित कर **17 सरकारी योजनाओं** से जोड़ा गया - गरीबी उन्मूलन को मिली नई गति

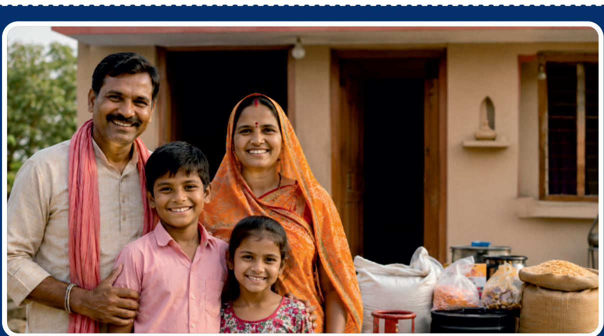

बदली एक परिवार की जिंदगी

लखनऊ के रामसागर का परिवार जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम के तहत आवास, राशन और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ा। इससे उनके जीवन स्तर और आय में स्थायी सुधार आया।

- **67.50 लाख वृद्धजन, 26.81 लाख निराश्रित महिलाएं और 11.57 लाख दिव्यांगजन** को नियमित पेंशन; **अप्रैल 2026 से ₹1,500 प्रतिमाह** का निर्णय - सामाजिक सुरक्षा को मिला मजबूत आधार
- **9 वर्षों में 6 करोड़+ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर** लाया गया तथा **12,807 कुष्ठावस्था पेंशन लाभार्थियों** की पेंशन **₹3,000 प्रतिमाह** की गई - वंचितों को मिला आर्थिक संबल

धुएँ से मिली मुक्ति

महोबा की एक महिला ने बताया कि उज्ज्वला योजना से एलपीजी मिलने के बाद धुएँ से होने वाली परेशानियां खत्म हुईं और परिवार का स्वास्थ्य बेहतर हुआ।

कच्चे से पक्के घर तक

अयोध्या की रामकली देवी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिला। अब उनका परिवार सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

- **जनता दर्शन, सम्पूर्ण समाधान दिवस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076** का प्रभावी संचालन - जनशिकायतों के समाधान को मिली नई रफ्तार

दिव्यांगजन सशक्त, समाज समावेशी

- **कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना** के तहत **4 लाख+ दिव्यांगजन** लाभान्वित तथा **कॉक्लियर सर्जरी एवं इम्प्लांट** की सुविधा - आत्मनिर्भरता को मिली नई ताकत
- **21 विशेष विद्यालय, 16 स्मार्ट क्लास** संचालित तथा **6 नए विशेष विद्यालयों** की स्थापना का निर्णय - दिव्यांग बच्चों को मिली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- **सरकारी नौकरियों में 4%, शिक्षण संस्थानों में 5% आरक्षण, 16.38 लाख UDID कार्ड और 18 जिला पुनर्वास केंद्र** - दिव्यांगजनों के अधिकारों को मिला सशक्त आधार
- **ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड, वृद्धाश्रम एवं अधिकार संरक्षण व्यवस्था** लागू - ट्रांसजेंडर समुदाय को मिला सम्मान और सुरक्षा
- **डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 50% सीटें आरक्षित**

समावेशी विकास, विरासत का सम्मान

- **प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (MSDP)** का विस्तार **पूरे उत्तर प्रदेश में** - अल्पसंख्यक क्षेत्रों के विकास को मिली नई गति
- **हज यात्रियों** के लिए बीमा, **हाजी सेवक, गाइड पुस्तिका एवं उड़ान सुविधा** - यात्रा को मिली बेहतर सुविधाएं
- **बलरामपुर में थारू जनजाति संस्कृति संग्रहालय, लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र** तथा **प्रयागराज में निषाद राज गुहा सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना**

हर हाथ को मिला सहारा, हर जीवन को मिला सम्मान और हर परिवार को मिला विश्वास। सबके विकास, सबके सम्मान और सबके उत्थान का नया प्रतीक **— यही है नॉनस्टॉप सामाजिक स्वाभिमान - बदला है UP, अब जीतेगा UP।**

नॉनस्टॉप UP
बदला है UP, जीतेगा UP

नॉनस्टॉप विरासत

2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान **उपेक्षित विरासत** और **जर्जर सांस्कृतिक धरोहरों** से थी। आज वही उत्तर प्रदेश **भव्य मंदिरों, विश्वस्तरीय कॉरिडोर, पुनर्जीवित तीर्थों** और **रिकॉर्ड पर्यटन** के साथ **भारत की सांस्कृतिक राजधानी** बनने की दिशा में नॉनस्टॉप आगे बढ़ रहा है।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत का पुनर्जागरण

- **अयोध्या में भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर** का निर्माण तथा **दीपोत्सव में 26 लाख+ दीप** जलाकर **विश्व रिकॉर्ड** - आस्था को मिली वैश्विक पहचान

दीपोत्सव का आकर्षण

जर्मनी के ट्रैवल ब्लॉगर मार्क जोहानसन ने अयोध्या दीपोत्सव को विश्वस्तरीय सांस्कृतिक अनुभव बताया। रामपथ, सरयू आरती और दीपोत्सव की भव्यता ने उन्हें बेहद प्रभावित किया।

- **काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर** के विकास से **श्रद्धालुओं की संख्या 4–5 गुना बढ़ी** - काशी बना विश्वस्तरीय आध्यात्मिक केंद्र

आसान हुए दर्शन

चेन्नई की सुब्बालक्ष्मी अम्मा ने बताया कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद व्हीलचेयर से सहज दर्शन संभव हुए। नया स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए कहीं अधिक सुविधाजनक बना।

- **अयोध्या, ब्रज, विंध्य, चित्रकूट, देवीपाटन एवं नैमिषारण्य** के लिए **तीर्थ विकास परिषदों** का गठन - तीर्थ विकास को मिली नई गति
- **2025 में 156 करोड़+ पर्यटकों** ने उत्तर प्रदेश का भ्रमण किया तथा **घरेलू पर्यटन में UP देश में प्रथम** रहा

ब्रज की मेहमाननवाजी

जापान की अकिरा तनाका ने ब्रज के होम-स्टे, स्थानीय संस्कृति और सुरक्षित पर्यटन अनुभव की सराहना की। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश अब केवल तीर्थ नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय सांस्कृतिक अनुभव भी प्रदान करता है।

- **विंध्यवासिनी धाम, अष्टभुजा धाम, कालीखोह, मथुरा एवं संभल** के धार्मिक स्थलों का विकास
- **काशी विश्वनाथ धाम, श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या दीपोत्सव, ब्रज रंगोत्सव, देव दीपावली, नैमिष तीर्थ, शुक्रतीर्थ एवं सोरों-सूकर क्षेत्र** का व्यापक विकास - सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

संस्कृति, विरासत एवं ज्ञान परंपरा का संरक्षण

- **लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल'** का उद्घाटन - राष्ट्रीय मूल्यों का सम्मान
- **भातखंडे संगीत संस्थान** को **भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय** का दर्जा - भारतीय संगीत एवं संस्कृति को मिली पहचान
- **अयोध्या में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय** का निर्माण शुरू
- **212 प्राचीन स्मारकों** के संरक्षण से ऐतिहासिक धरोहरों को मिला नया जीवन
- **नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र** तथा **BHU में वैदिक विज्ञान केंद्र** विकसित - प्राचीन ज्ञान परंपरा को मिला विस्तार

- **थारू जनजाति संस्कृति संग्रहालय, लाल बहादुर शास्त्री संग्रहालय एवं अटल सांस्कृतिक संकुल** का निर्माण - राष्ट्रीय एवं जनजातीय विरासत को मिला संरक्षण
- **प्रयागराज में 400 टन स्क्रैप से आधुनिक शिवालय पार्क** का निर्माण
- **लखनऊ में नई सांस्कृतिक वीथिकाओं** का निर्माण तथा **प्रमुख मेलों का प्रांतीयकरण** - कला एवं संस्कृति को मिला नया विस्तार

पर्यटन बना विकास का नया इंजन

- **पर्यटन नीति-2022** के तहत **1,757 पर्यटन इकाइयों में ₹36,681 करोड़+ निवेश** - पर्यटन अवसंरचना को मिली गति
- **लगभग 5 लाख रोजगार अवसर** सृजित
- **आगरा, वाराणसी, प्रयागराज, मथुरा, झांसी एवं लखनऊ में विशेष पर्यटन पुलिस** तैनात - पर्यटकों को मिला सुरक्षित वातावरण
- **दुबई, जापान, थाईलैंड, पेरिस एवं लंदन** के अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल मार्केट्स में सहभागिता - उत्तर प्रदेश की वैश्विक ब्रांडिंग को मिली नई उड़ान
- **धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों तक 83 प्रमुख मार्गों** का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण- तीर्थ यात्राएँ हुई सुगम
- **कैलाश मानसरोवर यात्रियों को ₹1 लाख तथा सिंधु दर्शन यात्रियों को ₹20 हजार** प्रति यात्री अनुदान - धार्मिक यात्राओं को मिला प्रोत्साहन
- **गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन** का निर्माण - तीर्थ यात्रियों को मिली बेहतर सुविधाएं
- **कौशांबी, बाराबंकी, गोरखपुर एवं सुल्तानपुर** में संग्रहालयों एवं स्मारकों का निर्माण/विकास - ऐतिहासिक विरासत को मिला संरक्षण
- **अलीगढ़ एवं गोरखपुर में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट** स्थापित - पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को मिले कुशल मानव संसाधन
- **बागपत के पुरा महादेव गांव** को **'बेस्ट टूरिज्म विलेज 2024'** पुरस्कार - ग्रामीण पर्यटन को मिली राष्ट्रीय पहचान

हमारी विरासत ही हमारी पहचान है। नवनिर्मित तीर्थ स्थल, जीवंत परंपराएँ और **विश्वस्तरीय पर्यटन** आज के उत्तर प्रदेश की नई पहचान हैं। **यही है नॉनस्टॉप विरासत – बदला है UP, अब जीतेगा UP।**

नॉनस्टॉप UP से जुड़ें

www.NonstopUP.org

NonstopUP

NonstopUP2027

NonstopUP2027

@NonstopUP2027

नॉनस्टॉप UP

बदला है UP, जीतेगा UP

www.nonstopup.org